विद्यापरिषद की प्रथम बैठक

कार्यवृत्त

(Minutes)

दिनॉक 27.जनवरी1993

महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय
चित्रकूट, जिला–सतना, म०प्र०

ORIGINAL

चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट
जिला - सतना (म0प्र0)

दिनांक 27 जनवरी, 1993 को चित्रकूट में सम्पन्न हुयी विद्या परिषद की प्रथम बैठक का कार्यवृत्त :-

उपस्थित :-

1.	प्रो0 राज नारायण कपूर, कुलपति	: अध्यक्ष
2.	डॉ0 राम ऋषि त्रिपाठी, अधिष्ठाता, सामाजिक विज्ञान संकाय	: सदस्य
3.	डॉ0 जयकान्त मिश्र, अधिष्ठाता, भाषा संकाय	: सदस्य
4.	डॉ0 एस0एस0 सोलंकी, अधिष्ठाता, कृषि संकाय	: सदस्य
5.	प्रो0 अरुण लक्ष्मण किरखिरे, अधिष्ठाता, विज्ञान संकाय	: सदस्य
6.	डॉ0 सुरेश चन्द्र सक्सेना, अधिष्ठाता, वाणिज्य संकाय	: सदस्य
7.	डॉ0 हरिराम त्यागी, अधिष्ठाता, कृषि अभियन्त्रण संकाय	: सदस्य
8.	प्रो0 लाडली शरण श्रीवास्तव, विभागाध्यक्ष, वाणिज्य	: सदस्य
9.	डॉ0 हरि सिंह सेंगर, पुस्तकालयाध्यक्ष	: सदस्य
10.	श्री पी. सी. खरे, कमिश्नर, उच्च शिक्षा के नामिती	: सदस्य
11.	डॉ0 शिवराज सिंह सेंगर, अध्यक्ष, शिक्षा विभाग	: सदस्य
12.	डॉ0 प्रमोद सिंह, अध्यक्ष, पर्यावरण विभाग	: सदस्य
13.	डॉ0 मंजुमोहन मुखर्जी, अध्यक्ष, समाज कार्य विभाग	: सदस्य
14.	डॉ0 सुधाकर मणि त्रिपाठी, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग	: सदस्य
15.	डॉ0 त्रिलोकी नाथ सिन्हा, निदेशक, शिक्षा	: आमंत्रित
16.	डॉ0 शारदा प्रसाद तिवारी, कुलसचिव	: सचिव

1.1 विश्वविद्यालय द्वारा अब तक चलाये गये पाठ्यक्रमों की सूचना :-

विद्या परिषद को सूचित किया गया कि विश्वविद्यालय में वर्ष 1991-92 और वर्ष 1992-93 में कौन कौन से पाठ्यक्रम पारम्भ किये गये । इनका विवरण नीचे दिया जा रहा है :-

वर्ष 1991-92

बी0एड0, बी0एड0 (विशेष), एम0एड0, एम0एस0डब्लू0 और एम0आर0डी0एम0

बी0ए0, बी0कॉम0, बी0एस0सी0, बी0एस0सी0 (कृषि) तथा पत्रकारिता में एकवर्षीय पाठ्यक्रम ।

विद्या परिषद को सूचित किया गया कि चूंकि अभी तक अध्यादेश बोर्ड, संकाय एवं विद्या परिषद के सभी अधिकार कुलपति में निहित थे अतः इन पाठ्यक्रमों को प्रारम्भ करने की अनुमति उन्होंने अपने इन्हीं अधिकारों का प्रयोग करते हुए प्रदान की और इन प्रोग्रामों के पाठ्यक्रमों की स्वीकृति भी प्रदान की।

विद्या परिषद ने इस कार्यवाही को नोट किया ।

1.2 विश्वविद्यालय में पुस्तकालय विज्ञान में बी0लिब0 पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने पर विचार और उसके पाठ्यक्रम का अनुमोदन ।

विद्या परिषद ने पुस्तकालय विभाग में पुस्तकालय विज्ञान का बी0लिब0 कोर्स प्रारम्भ करने की अनुमति प्रदान की और उसके पाठ्यक्रम का भी अनुमोदन किया।

नोट : पाठ्यक्रम की प्रति सम्बन्धित सदस्यों को सदस्यकी के साथ दी जा चुकी है । उन सदस्यों को जो बैठक में उपस्थित नहीं थे, पाठ्यक्रम की प्रति संलग्न की जा रही है । (अनुलग्नक '1')

1.3 पत्रकारिता के डिप्लोमा प्रोग्राम को स्नातक उपाधि में परिवर्तित करने पर विचार ।

विश्वविद्यालय में दो सेमेस्टर का एकवर्षीय पत्रकारिता डिप्लोमा वर्ष 1992-93 में प्रारम्भ किया गया था । यह डिप्लोमा सामाजिक विज्ञान संकाय के अन्तर्गत चलाया गया है । अधिष्ठाता, सामाजिक विज्ञान संकाय ने विद्या परिषद को सूचित किया कि अधिकांश विश्वविद्यालयों में पत्रकारिता के एकवर्षीय पाठ्यक्रम पत्रकारिता में स्नातक उपाधि के लिए चलाये जा रहे हैं । अतः उचित यह होगा कि इस डिप्लोमा पाठ्यक्रम को भी परिवर्तित करके पत्रकारिता में स्नातक उपाधि कर दिया जाय।

विद्या परिषद ने सर्वसम्मति से अधिष्ठाता, सामाजिक विज्ञान संकाय के प्रस्ताव का अनुमोदन किया ।

नोट : पत्रकारिता में स्नातक उपाधि का पाठ्यक्रम उपस्थित सदस्यों को उपलब्ध कराया जा चुका है । जो सदस्य उपस्थित नहीं थे, उन्हें भेजा जा रहा है । (अनुलग्नक '2')

1.4 विश्वविद्यालयों में शिक्षकों की शैक्षणिक योग्यता निर्धारित करने पर विचार :-

विद्या परिषद ने विश्वविद्यालय के शिक्षकों की शैक्षणिक योग्यता निर्धारित करने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की एक समिति गठित की जो अपनी संस्तुतियाँ विद्या परिषद की अगली बैठक के लिए प्रस्तुत करेगी :-

1. डॉ0 हरिराम त्यागी : संयोजक
2. डॉ0 जयकान्त मिश्र : सदस्य
3. डॉ0 प्रमोद सिंह : सदस्य

1.5 **परीक्षा, परीक्षा संचालन एवं प्रवेश प्रक्रिया पर अध्यादेश बनाने के लिए समिति का गठन :-**

विद्या परिषद ने परीक्षा, परीक्षा संचालन और प्रवेश प्रक्रिया पर अध्यादेश निर्गित करने के लिए निम्नांकित सदस्यों की एक समिति गठित की जो अपनी संस्तुतियाँ विद्या परिषद की अगली बैठक के लिए प्रस्तुत करेगी :-

1. डॉ0 शिवराज सिंह रौंगर : संयोजक
2. प्रो0 अरूण लक्ष्मण किरकिरे
3. डॉ0 राम ऋषि त्रिपाठी

विद्या परिषदने मई-जून में होने वाली प्रवेश परीक्षा के लिए भी निम्न समिति का गठन किया :-

1. डॉ0 शिवराज सिंह रौंगर : अध्यक्ष
2. डॉ0 मंजुमोहन मुखर्जी : सदस्य
3. डॉ0 रमेश चन्द्र त्रिपाठी : सदस्य

विद्या परिषद ने यह अपेक्षा की कि यह समिति प्रवेश परीक्षा का पूरा कार्यक्रम बनाकर शीघ्र ही कुलसचिव को प्रस्तुत करेगी ।

अध्यक्ष की अनुमति से

1.6 **डॉ0 जयकान्त मिश्रा द्वारा बी0ए0 की परीक्षा की तिथि में परिवर्तन करने विषयक् आपत्ति पर विचार :-**

विद्या परिषद ने इस बात से सहमति व्यक्त की कि सामान्यतः परीक्षाओं की तिथियाँ एक बार निर्धारित कर लिये जाने के बाद, परिवर्तित न की जायँ । विद्या परिषद ने यह भी अपेक्षा की कि संकायाध्यक्ष/विभागाध्यक्ष इस बात को सुनिश्चित करें कि विभिन्न कार्यक्रमों की आन्तरिक परीक्षाएँ फाइनल परीक्षा प्रारम्भ होने की घोषित तिथि से लगभग एक माह पूर्व ही पूरी कर ली जायँ ।

डॉ0 त्रिलोकी नाथ सिन्हा ने इस बात पर बल दिया कि विश्वविद्यालय उपस्थिति के निर्धारित मानदण्डों को कड़ाई से लागू करे। कुलपति महोदय ने कहा कि यद्यपि विद्यमान मानदण्डों को कड़ाई से लागू करने का प्रयत्न किया जायेगा परन्तु [illegible] अवधि [illegible] में [illegible] ढील देना उचित प्रतीत होता है।

1.7 **सुरेश चन्द्र सक्सेना अधिवक्ता, वाणिज्य संकाय ने प्रस्ताव किया कि पाठ्यक्रमों के [illegible] अध्यादेश बनाने के लिए [illegible] कार्यों का [illegible] किया जाय ।**

विद्या परिषद ने व्यवस्था दी कि ऐसे अध्यादेशों का प्रारूप सम्बन्धित विभागों के अध्ययन बोर्डों द्वारा बनाये जायें और उन्हें सम्बन्धित संकायों के अनुमोदनोपरान्त विद्या परिषद के समक्ष प्रस्तुत किया जाय ।

1.8 **डॉ0 शिवराज सिंह सेंगर द्वारा विश्वविद्यालय के शिक्षा संकाय के अन्तर्गत बी0एड0 का सायंकालिक पाठ्यक्रम चलाने का प्रस्ताव ।**

विद्या परिषद ने प्रस्ताव को निम्न शर्तों के अधीन कार्यान्वित करने की अनुमति प्रदान की :-

1. इस पाठ्यक्रम का नाम **सायंकालीन बी0एड0 पाठ्यक्रम** होगा ।
2. यह पाठ्यक्रम दो वर्ष का होगा ।
3. इस पाठ्यक्रम की कक्षायें संध्या काल में संचालित होंगी ।
4. इस पाठ्यक्रम के लिए चयनित छात्रों से प्रतिवर्ष रू.2000/- शुल्क लिया जायेगा।
5. छात्रों के चयन का आधार उनका शिक्षण, अनुभव तथा साक्षात्कार होगा।
6. इस पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए न्यूनतम अर्हताएँ वही होंगी जो बी0एड0 सामान्य में प्रवेश के लिए निर्धारित हैं ।
7. इस पाठ्यक्रम में विभिन्न शिक्षण संस्थाओं द्वारा नामित अभ्यर्थी ही प्रवेश के लिए पात्र होंगे ।
8. इस पाठ्यक्रम में भर्ती किये जाने वाले छात्रों की संख्या 20 होगी ।

2/12/94/2/16.

(शारदा प्रसाद तिवारी)
सचिव